

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—चण्ड 1 PART III—Section 1

श्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] No. 13] नई विल्ली, गुकबार, मई 25, 1984/ण्येष्ठ 4, 1906 NEW DELHI, FRIDAY, MAY 25, 1984/JAYAISHT 4, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था की जाती है जिससे कि यह असम संकलन के कप में रका का सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त

(निरीक्षण) अर्जन रेंज कानपुर

[आधकर अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (।) के अधीन सुचनाएं]

कानपुर, 18 मई, 1984

निदेश में० एस-20/84-85: → मतः मृही जे० पी० हिलोरी, श्रायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त मिश्रिनियम' कहा गया है) की घारा 269व के स्थीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिस बाजारमूल्य 25000 से प्रधिक है और जिसकी मं० 2172 है तथा जो गाजिपाबाद में स्थित है (शीर रससे उनावड़ प्रनुसूची में शीर पूर्णस्प प विजित्त है), रिजस्दीकर्ता स्रधिकारों के कार्यालय गढ़मुक्तेश्वर में, रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख 9-8-83 को पूर्वोक्त मम्पिन के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत में प्रधिक है. शीर मन्तरक (भ्रत्यकों) और प्रन्तरिती (भ्रन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन नहीं किया गया है।

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की वासत, आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) के प्रधीत कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए भ्रीर/मा

(ख) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः यस उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के प्रधोन निम्न-विश्वित व्यक्तियों अर्थात् '---

- श्री काले पृष्ठ ननवा, (भ्रन्तरक) निवासी ग्राम, भ्रठतेनी, पर० व तहुर गढ़, जिर् गाजियाबाद
- श्री जरीफ पुत्र ईशहाक एवं भ्रन्य (ग्रन्तिन्ती) ग्राम० भ्रठतैनी, पर० तह्० गढ़ जि० गाजियाबाद ।
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके श्रक्षिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्यन्ति के भ्रजेन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के.भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ≔

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी श्रासे 4.5 दिन की भवति, या तत्मम्बरधी व्यक्तियो पर सचना के नामील से 30 दिंग की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा ।
- (सा) इ.स. सच्चना के राजपद्ध में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त प्राव्दों भीर पत्नों का, जी आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के ब्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्च होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्गुरः

खेती स्थित ग्राम---ग्रठमैनी, परः व तहः गृहः, जिः ---गाजियाबाद ।

तारीका : 18-5-84

संहर:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISI-TION RANGE, KANPUR

NOTICES UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Kanpur, the 18th May, 1984

Ref. No. M-20|84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (here-inafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing number AS PER SHHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Garh Mukteshwar on 9-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of

this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Kale, Slo Shri Nanwa, Village Athsaini, Pargana and Tehsil-Garh, Distt. Ghazia-(Transferor)
- 2. Shri Jarif, So Sh. Ishaq and others, Village Athsaini, Pargana and Tehsil-Garh, Distt. (Transferee) Ghaziabad
- 3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land situated at Village, Athsaini. Pargana & Tch.—Garh, Distt. Ghaziabad.

Date: 18-5-84

Seal:

निदेण नं एम-1588/83-84:--मनः मने जे पी हिलारी, ग्रायकर भक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 2.69-खंके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिं, जिसका उचित बाजार मध्य 25,000 - से अधिक है मीर जिसकी सं० 9553 है तथा जो मेरठ में स्थित है (मीर इसमे उपाबद धनमूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ध्रधिकारी के कार्याक्षय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन ·तारीख 16-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य में कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उस्तित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और ग्रस्तरक '(श्रन्तरकां) और ग्रन्तरिती (भ्रन्तरियो) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित, उद्देश्यों से युक्त ग्रम्तरण, निश्चिम में बास्तविक रूप से कचिन नहीं किया गया है।

- (क) अल्लरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
- (ब्रू) ऐसे किसी ग्राय या किसी धन या चन्त्र भारिनयों की जिन्हें भारतीय भावकर भविनियम, 1922 (1922 का 11) 🐗

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधिनियम, 1967 (1957 का 27) के श्रयोजनाथ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चीहिए भा, लियाने में सुविधा के लिए

श्रातः श्राव उक्त प्रश्लितियम की धारा 269-ग के धनुसरण म, मैं उक्त ब्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निस्त-लिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1 श्री पवन कपूर, पुक्ष स्वर्० श्री ज्ञान (प्रस्तरक) चन्द्र कपूर, 217, गली नं० 5, भागर नगर, मेरठ एवं प्रस्य
- 2. श्री प्रवीप कुमार गुप्ता एवं घस्य. (भरतिनी)
 पुत्रगण-श्री वी० की० गुप्ता,
 नि० 169 एवं 170, पटेल नगर.
- अं।/श्रीमती / कुमारी अन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्मबाहियां गुरु करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की स्थाधित या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्थाधित जो भी स्थाधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के, 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवह किसी प्रन्य व्यक्ति हारा अश्रीहरनाक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकते।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) के श्रीध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

म॰ नं॰ 200/7 (पुराना) नया नं॰ 217, गली नं 5, बापर नगर, मेरठ।

नारो**ख**: 18-5-84

मोहर:

[जी लागुन हो। उसे काट दी जिल्]

Ref. No. 1588|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000|- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 16-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Pawan Kapoor, So Late Sri Gyan: hand Kapoor, 217, Gali No. 5, Thaper Nagar, Meerut and others, (Transferor)
- 2. Shri Pradecp Kumar Gupta and others, S|o Shri V. D. Gupta, No. 169 & 170, Patel Nagar, Mecrut (Transferee)
- S|Shri --do-- (Persons in occupation of the property).
- 4. S|Shri —do— (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 200|7 (Old) and No. 217 (New), Gali No. 5, Thaper Nagar, Meerut.

Date: 18-5-84

Scal:

तिबेश नं ए.स-1581/83-84:—अत: मुझे जे पी० हिलोगी, आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राक्तिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूट्य 25,000/- में अधिक है और जिसकी सं० 19/36-37 है तथा जी गाजियाबाद में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्दीकर्ता अधिकारी के कायाव्य गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के घ्रधीन तारीख 22-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिशत से ध्रधिक है भीर धन्तरक (प्रग्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित, उद्देश्यों से युक्त प्रन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रमीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (च) ऐसे किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों की जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती ब्रारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

मतः प्रव उक्त प्रधिनियमं की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा(1) के प्रधीन, निस्त-सिखित व्युक्तियों प्रधीत:—

- 1. श्री भुमत प्रसाद जैन, (अक्तरक) नि॰ एस जै-13, शास्त्री नगर, सेक्टर-16, गाजियाबाद।
- 2 श्री महेन्द्र मिंह राठी, पुत श्री मंगत सिंह (घन्तरिती) बारा श्री इन्द्र पाल सिंह, नि० एसएच-265, शास्त्री नगर, गाजियानाद।
- श्री/श्रीमती[क्रुमारी मन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षप:---

- (क) इ.स. सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की प्रविध, जी भी प्रविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (धा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त सम्बों ग्रीर पदों का, जो भायकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं मर्च होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एसजें-13; सेक्टर् 16, शास्त्री नगर, गाजियाबाद ।

सारी**च** : 18-5-84

मोउर :

जो लागून हो उसे काट दीजिए

Ref. No. M-1581 83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad 22-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Sumat Prasad Jain, Ro SJ-13, Shastri Nagar, Sector—16, Ghaziabad (Transferor)
- Mahendra Singh Rathi, S|o Shri Mangat Singh, through Shri Indrapal Singh, R|o SH-265, Shastri Nagar, Ghaziabad (Transferee)
- 3. S|Shri —do— (Persons in occupation of the property).
- 4. S|Shri—do—(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. SJ-13, Sector-16, Shastri Nagar, Ghaziabad.

Date: 18-5-84

Scal:

- (क) प्रान्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दागिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसे किसी प्राप्त या किसी घन या प्रत्य आस्त्रियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः भ्रम उक्त प्रधिनियम की घारा 269-म के मनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उप धारा (1) के प्रभीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों भ्रमत्:——

- श्री मुबारिक हुसैन, पुक्क श्री महमद (मन्तरक) हुसैन एवं चन्य, ग्राम-लावडजान ग्रली तहु० सरधना, जि० मेरठ
- श्री प्रव्युल हफीज एवं प्रस्य लोग (मन्तरिती) नि० ग्रा० मौ० सराय, तह० मेरठ शहर
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी ' ' श्रन्तरिती (वह व्यक्ति, जिसके ' ' श्रिक्षभोग में सम्पत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की प्रविध, या तत्सम्बन्धी क्यिक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिक की श्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबाद किसी श्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रश्लोहरूनाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पर्वटीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो धायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जी उस भव्याय में विया गया है। अनु**सूच**े

आरामी वाक ग्राम—म्प्रगवानपुर पर• फिलोर, त॰ मवाना, जिला मेरठ

वारी**ख**ः 18-5-84 मीहर (जी अलू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. M-1912/83-84. Whereas J, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B or the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing number AS PER SCHEDULE situated as AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mowana on 11-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concentment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for he purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Shri Mubarik Hussain, So Shri Ahmed Hussain and others Village—Lawadjan Ali, Tehsil Sardhana, Distt. Meerut.

(Transferor)

- 2. Shri Abdul Hafiz and others, Ro Mauja—Sarai, Teh. Meerut City. (Transferee)
- 3. Shri —do (Persons in occupation of the property).
- 4. Shri (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at village Agwanpur, Parpana, Filore, Teh. Mowana, Distt. Mecrut.

Date: 18-5-84.

Seal :

निदेश नं० एम-1902/83-84:— ग्रान. मुझे जै० पी० हिलोरी, श्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त
प्रश्चितियम' कहा गया है) की धारा 269-क के मधीन मश्चम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मिन, जिसका उक्ति
बाजार मूल्य 25,000/- से धिक्षक है और जिसकी सं० '5595 है तथा
जो ग्राम—राफन में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण
रूप से बणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकार, के कार्यालय मवाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन ताणिख 26-8-83
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्यं से कम के दृश्यमान प्रतिफल के
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे युग्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिभाग से श्रिधक है और प्रस्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त मन्तरण, लिखिन मे
ज़क्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) धन्तरण से हुई किमो भ्राय को बाबत, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने मा उससे बचन में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) था अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

मतः मब उन्त मधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं उन्न मधिनियम की घारा 269-य की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों प्रयोतः---

1. श्री० अजपाल सिंह, पुत्र शरन सिंह (अन्तरक) ग्रा० राफन, पो० मयाना, जि० मेरठ।

2. श्री सप्तेन्द्र कुमार, पृज्ञ मुखभीर (भन्तरिती) सिंह एमं भन्य, नि० ग्राम, राफन, पी० मवाना, जि०—मेरठ।

3 श्री,श्रीमती/कुमारी '''' भन्तरिती (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू भजना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेत्र ...

- (क) इस नृचना के राजपन्न से प्रकाशक की नारीख से 45 दित की प्रमिक्ष, सातन्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना को तासील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधीहस्ताभरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जा धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय 20-के में परिभाषित है, बही भर्ष होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

> अनुसूर्चः। खेल बाके ग्राम---राफन,पा० मकाना, जि० मेरठ।

तारी**ण** . 18-5-84 मोहर (जो कम सही नमें अलाट

(जो मामून हो उसे सह दाजिए)

Ref. No. M-1902/33-54.--Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Othcer at Mowana on 20-3-83 for an apparent consideration which than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Brij Pal Singh, S'o Sharan Singh, Village Rafan, P.O. Mowana, Distt, Meerut / Transferor).
- 2. Shri Satendu Kumar. So Shri Sukhbir Singh and others. Village Rafan, P.O. Mowana, Distt. Meerut.

(Transferee)

. ಗ್ರಾಂಗ್ಯ ಕಲ್ಪಡಿ ಅರ್ವರ ಕರ್ಮಾರ್ ನಡೆಸುಗಳು ಕರ್ಮಗಳು ಪ್ರಾರಂಭ ಕರ್ಷಗಳು ಕ್ರಾಂಗ್ರಿಸು ಹೆಚ್ಚು ಪ್ರಶ್ನೆಗಳು ಪ್ರಾರಂಭ ಕರ್ಷವಾಗಿ ಸಂಪ 3. Shri Satendra Kumar, So Shri Sukhbir Singh and others, vill. Rafan, P.O. Mowana, Distt. Meerut.

(Persons in occupation of the (Property).

4. Shri ---do--- (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigncd:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Village Rafan, P.O. Mowana, Distt. Meerut.

Date: 18-5-84.

Seal:

निवेश नं ाम-8/84-85:----- चनः मुझे जै० पी हिलोरी, स्नायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात 'उक्त मिध-नियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- से मधिक है और जिसकी सं∘ 7625 है तथा जो मजफ्फरनगर में स्थित है (भौर इससे उपावस धनुसूची में धौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना ग्रधिकारी के कार्यालय जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्रम्मिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रमीन नारीख 6-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सृक्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए घन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्यं, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रत्यरक (प्रस्परको) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरियों) के भीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नक्षिखित उद्देश्यों से युक्त प्रस्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, भ्रायकर: प्रधिनियस, 1951 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अन्ताने में सुविधा के लिए फ्रौर/या
- (खा) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ब्रायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सुविधा के लिए

भ्रतः ब्रब उक्त भ्रष्टिनियम की धारा 26% के भन्मरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उप धारा (I) के प्रधीन, निम्न-लिखिन व्यक्तियों प्रयोग् :--

1. श्री चरन सिंह, पुत्र श्री कृपाराम, . (ग्रस्ट्रकः) ग्राम⊸–भुझेड़ा, तहर जानसठ, जि**ना**— मूजफ्फर नगर

- श्रीः मील्हड सिंह भौनी, पुत्र श्री गल्टा मिह एवं अन्य (अल्लिरिती) ग्राम-मृह्मेड्रा, पर० भ्रम्मा सम्मेलेड्रा तहरू **जानसङ, जिल्म् जफ्फर**,नगर
- 3 र्था_/श्रीमती/**कुमा**री ' ' भ्रस्तरिती : : : : : : (बह : व्यक्ति, जिसके ' ' ' ग्राधिभाग में सम्पनि हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के प्रजीन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाणन की तारी वा से 45 दिन की श्रवधि, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्यन्ति में हितबद्ध किसी। प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दां भीर पदीं का, जी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के मध्याय मे 20-क़ में परिभाषित है, वही प्रयं होगा जो उम घध्याय में विया गया है।

अनुसूची

खेती वाके ग्राम-स्क्रीका, पर० भूस्मा सम्मेलेड़ा, तह० जानसठ, जिल्लाम् जाफरनेगर

तारं।**ख** : 18-5-84 मोहर

- S.O. M-8/84-85.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHE-DULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jansath on 6-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-
 - (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Charan Singh, So Sri Kripa Ram, Village Mujheda, Tehsil Jansath, Distt. Muzaffarnagar. (Transferor)
- Molhar Singh Saini, So Shri Palta Singh Saini and others, Village Mujheda, Pargana-Bhumma Sammeleda, Teh. Jansath, District Muzaffarnagar. (Transferee)
- Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by way, of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Mujheda, Pargana-Bhumma Sammeleda; Tehsil-Jansath, Distt. Muzaffarnagar.

Date: 18-5-84

Seal:

कानपुर, 14 मई, 1984

निवेश नं ० एम-1582/83-84:— अतः मुझे जे ०पी० हिलोरी, श्रायकर श्रिष्ठित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्लान 'उन्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्लान 'उन्कर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-में श्रीषक है और जिसकी सं० एम-1582 है तथा जो असोष्टा में रठ में स्थित है (भीर इसमें उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीपत नारीख 25-8-83 की पूर्वोक्त मस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त मस्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके वृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत में श्रीक है और प्रस्तरक (श्रन्तरको) और अन्तरिती (श्रन्तरियो) के वीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निस्तिखित उद्देश्यों से युक्त श्रन्तरण, लिखत में बास्तिकरूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी भाय की वावत, प्रायकर प्रधित्तियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमे बच्चने में सुविधा के लिए प्रौर/या

(स्त्र) ऐसे किसी भाय था किसी धन या भन्य ग्रास्तियों की जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर भ्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुजिशा के लिए

भ्रतः भ्रम्भ उत्तर पश्चिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मै उत्तर प्रधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्न-लिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- 1. श्री पारस राम सुपूत धूसन (श्रन्तरक) साकित-रईसपुर, हाजनिवामी--सरावा जिला--मेरठ
- 2. श्रीमती कणमीरी देवी परनी चन्द्र किरन त्यागी, (अन्तरिर्ता) साकिन---श्रसीडा लहमील हापुड, जिला---गाजियाबाद
- 3. श्री/श्रीमती:/कुमारी::::: (धह क्यविन, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई बाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पन्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल्ल मे प्रकाणन की लारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि जो भी खर्वाध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा!
- (स्त्र) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी स्त्र के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रद्धीहरूनाक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेंगे।

स्पर्प्टीकरण.—हसमे प्रयुक्त णब्दो ग्रीड्रु पदों का, जो ग्रायकर श्रीध-नियम, 1961 (1961 का न3) के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं ग्रथं होंगा जो उम भव्याय में दिया गया है।

धनुमूची

ग्रन्मरिनी

या**रीख** : (४-5-84

माहर:

Kanpur, the 14th May, 1984.

Ref. No. M-1582|83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 266-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 25-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- Shri Pars Ram Slo Ghoson Village Rasipur, Rlo Sarawa, Post Sarawa, Distt. Meerut. (Transferor)
- Shrimati Kashmiri Devi woo Chand Kiran Taygi Roo Sakin Asodha, Tehsil Hapur, Distt. Ghaziabad. (Transferee)
- 3. S|Shri (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 18 situated at Mauja Sarawa, Distt. Meerut.

Date: 14-5-84

Seal :

निदेश नं एस-1472/83-84:—स्थानः सृष्ठी जेल्पी० हिस्तोरी, श्रीयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्चान 'सुकत प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 260 ख के श्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विण्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अखित बाजार मृत्य 25,000/— से प्रधिक है और जिसकी में० 6129 है तथा जो डेहराइन में स्थित है (और इससे उपावत अनुसूची में और पूर्ण क्य से बणित है), रजिरहीकर्मा श्रधिकारी के संप्रांत्य देहराइन में, रजिस्हीकरण श्रधिकारम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख 28/8/83 को पुर्नित सम्पत्ति के अखित बाजार मृत्य में रुम के दृष्ण्यमान प्रतिपत्त 25+G1/8 —2

के लिए श्रत्सिरित की गई है शौर भूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथात्र्वींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (श्रन्तरको) भौर प्रन्तरिती (ग्रन्तरियो) के दीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, तिम्नलिखित उद्देश्यों से युक्त अन्तरण, लिखित में अन्तरिक स्प से कथित नहीं किया गया है।

=----

- (क) अन्तरण सं ८६ किमी आयं की बाबत, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अर्धन कर देने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्षिधा के लिए और/पा
- (क) ऐसे किसी प्राय था किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनिधम, 1922 (1922 वा 11) या आयकर प्रधिनिधम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रिप्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए

ग्रानः सब उक्त ग्राधिनियम की धारा 269 ग के श्रनुसरण में, मैं उक्त श्रिधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के श्रश्लीन निम्मलिखित व्यक्तियों ग्रथान :---

- श्री वृज्यमोहन लाल वादेदरा, (प्रन्तरक) निर्द्ध-१, श्राई श्राई पी कालीनी. महिकामपुर, देहरादन
- भी आरंग्लेक सेंडगल, (श्रन्तरिती)
 भि० त/5-1, तेग बहाकुर संख्या 2,
 वैद्यरादन
- 3 श्रो /श्रीमती /कुमारी श्रन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके ं श्रिभोग से सम्पन्ति हैं /

को यह सूचना जारी करके एवॉक्न शब्दान के खर्जन के लिए फार्यवाहियां सह दश्ला हु। प्रकासम्पन्ति के पर्जन के सम्बन्ध में कोई भी क्रोक्षेप .--

- (क) इस अूचना के राज्यत से प्रकाशन की तारीख से 45 दिन . की जयिक्ष, या तत्मम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 को शर्वाक्ष, जो भी अवस्थ याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्यक्त व्यक्तियों से के किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपात में प्रकाणन की नारीख़ के 4.5 दिश के भीतर अनत स्थाबर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति क्वारा श्रधोद्धस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पार्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त णब्दों श्रीर पदो का, जो श्रीयकर श्रीध-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टयाय 20 के में परि-भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

धनुसूची

जायदाद मं 5/5-1, मेग बहादुर रोड, देहराद्न ।

सार/खा . 14-5-84

माहर:

Ref. No. M-1472 83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding Rs. 25,000|- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehiadun on 16-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Brij Mohan Lal Wadehra, R o No. E-2, I.l.P Colony Mohkampur, Dehradun. (Transferor)
- 2. R. K. Sehgal, R|o 5|5-1, Teg Bahadur Road, No. 2, Dehradun,

(Transferee)

3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the property nay be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 5¹5-1, Teg Bahadur Road Dehradun.

Date: 14-5-84

Seal:

निदेण नं ० एम- 1777/83-84 — पत . मुक्ते जे. पी हिलोरी, प्रायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का £3) (जिसे इसके पश्चान 'उक्त प्रधिन्यम' कहा गया है) की धारा 269 खं के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- से प्रायक है और जिसकी सं 6587 है तथा जो देहरादून में स्थित है (बार इसमें उपायद अनुसूर्ण में आर पूर्ण क्य में वर्णित है) रिजर्म्नोकर्स अधिकारी के कार्यालय देहराद्व में, रिजर्म्नोकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-8-83 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में क्या के दृष्यमान प्रतिकृत के लिए प्रत्वित्त को गई है पीर मुक्ते बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत से, एसते दृष्यमान प्रतिकृत से, एसते दृष्यमान प्रतिकृत से, एसते व्यवस्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकृत से पत्ति को। और प्रत्वित्ती (श्रन्तियों) के बीच ऐसे प्रत्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्दृष्यों से युक्त प्रत्वरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखत उद्दृष्यों से युक्त प्रत्वरण के लिए तथा पाया से कि का स्थान का से क्षित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरणा से हुई किसी आय की बाबत, आयकर प्रश्वितियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायिख में कमी करन या उससे बचने में मुविधा के लिए और,या
- (क) ऐसे किसी प्राय या किसी धन या घरय प्रास्तियों की जिन्हें भारतीय भागकर प्रक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या भागकर प्रक्षितियम, 1961 (1963 का 13) या धनकर प्रक्षितियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भारतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए का, खिपाने में सुविधा के लिए

अन्त. अन्य उपन अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उन्त सिवनियम की धारा 269 व की उपद्यारा (1) के अधीन, निस्त-लिखित व्यक्तियों अर्थात .—→

- श्री क्रिग० चरनजीत सिंह, (ग्रन्तरक)
 ३-सी, कालीदास रोक,
 दहरादून।
- 2 श्री भ्राप्त नन्दन, पुत्र श्री मृज नन्दन (भ्रन्तरिती) 8, कक्चा भ्रमीर सिंह, मजफ्करनेगर
- 3. श्रीं/श्रोमती/कुमारी श्रन्तरितीः (बह व्यक्ति, जिसके श्रिश्रोग में सम्पत्ति 青)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति में भ्राजीन के लिए कार्य-वाहिया मुख्य करता हूं। अकन सम्पत्ति के श्राजीन के सम्यन्ध में कार्ड भी श्राक्षेप:-

- (क्) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारी का में 45 दिन की प्रविध, या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 की प्रविध, जो भी श्रविध बाद में भमाप्त होती हो, वे भीतर पुत्रीकृत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति के द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाणन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त ग्रह्मो और पदो का, जो श्रायकर ग्रिष्ठित नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रश्याय 20 क में परिभाषित है, बही श्रर्थ होगा जो उस श्रश्याय में दिया गर्या है।

बनुसूर्या

जायदाद न ७ डी (पुराना) श्राएटले हाल नं । ! (नया), श्रार बी उग्गर सेन रोड, वेहरादून।

नार**ाख**ः 14-5-84

माहर.

Ref. No. M-1777/83-84 — Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000|- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHE-DULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 11-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:-

- 1. Shri Brig, Charanjit Singh, 2-C, Kalidas Road, Dehradun. (Transferor)
- 2. Shri Arun Nandan, So Shri Brij Nandan, 8, Kacha Ameer Singh, Muzaffarnagar. (Transferce)
- 3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein

as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 9-D (Old) New No. 14, R. B Uggar Sain Road, Dehradun.

Date: 14-5-84

Scal:

(मण्ड वीम्प)

कानप्र, 11 मई, 1984

निवेग नं एम 1477/83-84 -- प्रत मझे जे व्यी व हिलारी, प्रायंकर भ्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके पश्चात , जन्म अधिनियमं कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका हिंदित बाजार मन्य 25,000/-में प्रधिक है ग्रीप जिसकी सं• 6458 है तथा जो देहरादूस में स्थित है (और इससे उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता मधिकारी के कार्यालय देहरादूत में, रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन नारीख 30-8-83 की पुर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्यरित की गई है और मुझे यह बिख्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, हैसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से प्रधिक भीर भरतरक (ग्रन्तरको) ग्रौर श्रन्तरिती (श्रस्तरियो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्पयों में युक्त अन्तरण, लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबस, श्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए ओर/या
- (ख) हैंसे किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों की जिन्हों भारतीय भ्रायकर ग्रह्मित्यम 1922 (1922 南町 11) या प्रायकर श्रीधनियम. 1961 (1961 का 43) या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए आप, छिपान में मुविधा के लिए
- श्चतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं उ**क्त** ब्राधिनियम की धारा 269 घं की उपधारा (1) के ब्राधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात
- 1. श्री चमन लाल, पूक्ष श्री सतराम (श्रन्तरक) दास, नि॰ 113, मरूली बाजार, देहराहुन
- (भ्रन्तरिनी) 2. श्री ग्राम प्रकाश एव ग्रन्य लोग, निवासी 14, रेभ कार्य, दहराइन
- श्री/श्री:मर्त /कमारी: अ₹⊲ (रसी (वह व्यः वितः, जिसको अधिभाग में सम्पत्ति)

- को यह भूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के श्रर्आन के लिए कार्यवाहियां एक करता हू । उक्त सम्पन्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षय .---
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की जामील से 30 दिन की अथित, जो भी श्रविध बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की हारीख के 45 दिन के भीतर उनत स्थावर मन्पिन में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधीष्ठस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरों।

स्पर्धाकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर गर्दों का, जो श्रायकर प्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस ग्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रन्यु श्री

जायदाद न ० । अ. भछली जाजार, वर्तमान न ० । १ । ३, अन्सरी मार्ग, देखरादून ।

> जर्पार हिसारी, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक श्रायकर भ्रायुक्त, निरीक्षण) (भ्रजन रेज), कानपुर

तारीम १११-५-४४ मिहिर

(जा क्यू त हा उने साट दी(जय्)

Camp of Meerut

Kanpur, the 11th May, 1984

Ref. No. M-1477/83-84.—Whereas I, J. P. Hilori being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun on 30-8-83 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Shri Chaman Lal, So Shri Sat Ram Dass, Ro 113, Machli Bazar, Dehradun (Transferor)
- 2. Shri Om Prakash and others, R|o 14, Race Course, Dehradun. (Transferee)
- 3. Shri —do— (Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which we period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3, Machli Bazar, Now 129|3, Ansari Marg, Dehradun.

J. P. HILORI,
Competent Authority
(Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range KANPUR)

Date: 11-5-84.

Seal: